20-चाचा का पत्र

तीन मूर्ति भवन नई दिल्ली

दिनांक 14.11.1960

मेरे प्यारे बच्चो!

मुझे तुम्हारे साथ रहना, तुम्हारे साथ हँसना-बोलना और तुम्हारे साथ खेलना बहुत पसंद है। मैं जब भी तुम्हें देखता हूँ, अपना बुढ़ापा भूल जाता हूँ। तुम्हें देखकर मुझे अपना बचपन याद आ जाता है।

मैं तुम्हारे साथ खेलना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम्हारी दुनिया में घुल-मिल जाऊँ।

मैं तुम्हें बर्फ से ढकी हुई ऊँची, सुंदर चोटियों के बारे में बताऊँगा। सुंदर खिले फूलों, लहलहाते हुए खेतों, फूल और फलों से लदे हुए पेड़ों, चमकते हुए सितारों, इन सब के बारे में बताऊँगा।

हमारे आस-पास कितनी प्राकृतिक सुंदरता है, पर बड़े लोगों को उसकी ओर ध्यान देने का समय ही नहीं है। तुम लोग आँख खोलकर, ध्यान देकर इन चीजों का आनंद लो। क्या किसी फूल को तुम उसके नाम से पहचान सकते हो ? क्या किसी पक्षी के गाने की आवाज से उसका नाम बता सकोगे ?

बहुत दिन हुए मैं यूरोप गया। जापानी बच्चों ने मुझसे एक हाथी माँगा। मैंने तुरंत भारतीय बच्चों की तरफ से उन्हें एक हाथी जलमार्ग से भेजा। वह हाथी मैसूर का था। वह जब टोकियो पहुँचा तो उसे देखने के लिए हजारों बच्चे पहुँचे। उनमें कई बच्चों ने इससे पहले

कभी हाथी नहीं देखा था। वह प्राणी उनकी नजर में भारत का प्रतीक था। उसके द्वारा भारतीय और जापानी बच्चों में मित्रता का भाव पनपा। वे भारत के बारे में विचार करने लगे। हमें भी अन्य देशों के बारे में सोचना चाहिए।

अपने देश में एक महान नेता हुए हैं। उनका नाम महात्मा गांधी है। हम सब प्यार से उन्हें 'बापू जी' कहते हैं। उन्हें बच्चे बहुत प्यारे लगते थे। वे कहते थे " सबके साथ दोस्ती करो, किसी से भी झगड़ो नहीं। सहयोग से काम करो।" हम देश के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हर एक नागरिक यदि थोड़ा-सा भी काम करे तो भारत उन्नति के शिखर पर जरूर पहुँचेगा।

अच्छा, और कभी फिर लिखूँगा, जय हिंद।

तुम्हारा,

जवाहर लाल नेहरू

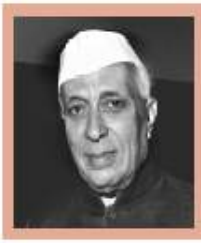

यह पत्र जवाहर लाल नेहरू ने अपने जन्म दिवस पर देश के बच्चों के नाम लिखा था। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। बच्चे इन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे।

अभ्यास

शब्दार्थ-

प्राकृतिक - प्रकृति द्वारा रचित, पनपना - उत्पन्न होना

यूरोप - सात महाद्वीपों में से एक महाद्वीप का नाम

प्रतीक - चिह्न ,उन्नति - तरक्की, प्रगति

जलमार्ग - नदी, समुद्र आदि में जलयानों के आने-जाने का रास्ता

शिखर - चोटी

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) पत्र किसने और किसको लिखा है ?

(ख) पत्र में चाचा नेहरू बच्चों को क्या-क्या बताने की बात कर रहे हैं ?

(ग) चाचा नेहरू ने बच्चों को महात्मा गांधी की किन बातों के बारे में बताया है ?

(घ) पत्र की कौन-सी बात आपको सबसे अच्छी लगी ?

2. (क) आपको कौन-कौन व्यक्ति काम बताते हैं? वे लोग आपको क्या-क्या काम बताते हैं ? नीचे दी गई तालिका में लिखिए -

काम बताने वाले का नाम, क्या-क्या काम बताते हैं?

....

(ख) नीचे बनी तालिका को भरिए-

उन फूलों के नाम जिन्हें आप देखकर पहचानते हैं	उन पशु पक्षियों के नाम जिन्हें आप उनकी आवाज से पहचानते हैं	आस पास की वे आवाजें जिन्हें सुनकर आप पहचान लेते हैं
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

3. सोच-विचार: बताइए -

पत्र में चाचा नेहरू ने लिखा है- मैं तुम्हें बर्फ से ढकी हुई ऊँची, सुंदर चोटियों के बारे में बताऊँगा। सुंदर खिले फूलों, लहलहाते हुए खेतों, फूल और फलों से लदे हुए पेड़ों,

चमकते हुए सितारों, इन सब के बारे में बताऊँगा। अगर आप चाचा नेहरू से मिलते तो उन्हें किन-किन चीजों के बारे में बताते ?

4. अनुमान और कल्पना -

(क) जापान के बच्चों ने नेहरू जी से हाथी की माँग की। आपको नेहरू जी से कुछ माँगना होता तो क्या माँगते और क्यों ?

(ख) जापान के बच्चों ने पहली बार हाथी देखा तो वे बहुत खुश हुए। उन्होंने अपने घर पर हाथी के बारे में क्या-क्या बताया होगा ?

(ग) किसी बच्चे ने अपने किसी दोस्त को हाथी के बारे में पत्र लिखा होगा तो उसमें क्या-क्या लिखा होगा ? पत्र लिखकर बताइए।

5. **भाषा के रंग -**

(क) नीचे की पहेली में कम से कम 15 महान विभूतियों के नाम छिपे हैं। खोजकर लिखिए -

गाँ	ग	गी	र	शि	वा	जी	गु	दी
म	हा	त्मा	गां	धी	ख	ड	रु	न
रा	मा	प	ग	त	सिं	ह	ना	द
व	बु	रा	णा	प्र	ता	प	न	गा
अ	द्ध	ऊ	ध	म	सिं	ह	क	ल
भे	सु	भा	ष	चं	द्र	बो	स	उ
द	अ	श	फा	क	उ	ल्ला	क	पा
क	स	रो	ज	नी	ना	य	डू	ध्या
र	रा	नी	इ	गां	ध	धी	प	य
म	हा	रा	नी	ल	क्ष्मी	बा	ई	ह

इन महान विभूतियों के जीवन के बारे में अपने पुस्तकालय से जानकारी कीजिए।

(ख) नीचे दिए गए अंश को दो-तीन बार पढ़िए और इसमें आए हुए संज्ञा, सर्वनाम तथा क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए -

मुझे तुम्हारे साथ रहना, तुम्हारे साथ हँसना-बोलना और तुम्हारे साथ खेलना बहुत पसंद है। मैं जब भी तुम्हें देखता हूँ, अपना बुढ़ापा भूल जाता हूँ। तुम्हें देखकर मुझे अपना बचपन याद आ जाता है।

- संज्ञा शब्द-.....
- सर्वनाम शब्द- .....
- क्रिया शब्द- .....

6. **आपकी कलम से** -

मेले में जाने के संबंध में अपने दोस्त को एक पत्र लिखिए।

7. **अब करने की बारी** -

(क) शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने शिक्षक को देने के लिए एक ग्रीटिंग कार्ड बनाइए।

(ख) पत्रों के नमूने इकट्ठा कीजिए- लिफाफा, पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र, निमंत्रण पत्र।

(ग) अपने गाँव/शहर का पिन कोड पता करके बॉक्स में लिखिए-

(घ) शिक्षक से इनके बारे में पता कीजिए और लिखिए कि ये पत्र कब लिखे/भेजे जाते हैं -

निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, आवेदन पत्र, प्रार्थना पत्र, संवेदना पत्र।

8. **मेरे दो प्रश्न**: पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

9**. इस पाठ से** -

(क) मैंने सीखा - .....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - .....

यह भी जानिए -

- ***प्राचीन समय में संदेश भेजने के लिए कबूतर, हरकारा का उपयोग किया जाता था। धीरे- धीरे इसका स्थान पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र, तार ने ले लिया। वर्तमान समय मंे तकनीकी विकास के कारण संदेश भेजना अब और सरल व सुगम हो गया है। कंप्यूटर और मोबाइल फोन के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से शीघ्रता से संदेश भेजना संभव हुआ। इसके लिए कंप्यूटर एवं मोबाइल फोन में तरह-तरह की सुविधाएँ (app) उपलब्ध हैं।***

जैसेः- व्हाट्सएप, मैसेन्जर, हाइक, ट्विटर, फेसबुक आदि।

- ***पत्र को सही स्थान तक पहुँचाने के लिए पिनकोड नंबर का प्रयोग किया जाता है, यह छह अंकों का होता है।***